MENES, genit. *menesio* a them. *MENESIA*, v. gr. comp. 147.; goth. *mêna*; germ. vet. *mâno* luna; v. sq.)

मास *m.* (r. मस् metiri s. अ) mensis. (Lat. *mensi-s* insertâ nasali, attenuato *a* finali in *i*; hib. *mios* id.; cambro-brit. *mis*, v. मास्.)

माह् *P. A.* (माने) honorare. *Cf.* मह्.

मि 5. *P. A.* (प्रक्षेपणे *K.* क्षेपे *V.*) jacere, projicere, prosternere, dejicere. Rigv.V. (v. Westerg.): त्वा मारुता मिनोतु.

मिछ् 6. *P.* मिच्छामि (बाधे) vexare. *Cf.* पिछ्.

मित v. मा et मि.

मित्र (scribitur etiam मित्त्र, a r. मिद् amare s. त्र) 1) *n.* amicus. H. 1.42. N. 9.30. 2) *m.* sol.

मित्रता *f.* (a मित्र s. ता) amicitia.

मिथ् 1. *P. A.* (वधे *K.* वधे मेधायाम् *V.*) 1) ferire, laedere, occidere. Rigv.V. (v. Westerg.): सं यन् मही मिथती स्पर्धमाने (Schol. महत्यौ परस्परं हिंसन्त्यौ सेने.) 2) intelligere. *Cf.* मेथ्, 1. मिद्, मेद्, मेध्.

मिथुन *n.* (r. मिथ्, v. मेथ्, suff. उन) par animantium *diversi sexus, ut* puer et puella. Br. 2.10. N. 5.39. 23. 24.

मिथ्या *Adv.* falso, fallaciter, frustra. N. 12.14. 13.17. Sa. 6.14. Bh. 18.59.

1. मिद् 1. *P. A.* *i. q.* मिथ्.

2. मिद् 1. *A.* 4. et 10. *P.* मेदे, मेद्यामि (gr. 332.), मेदयामि (स्नेहने *K.* स्निहि *V.*) 1) pinguem, adiposum, unctum esse *vel* fieri. *K.*: श्रमेण कायो न मेद्यति. 2) amare. *K.*: मेदते पुत्रे पिता. — *Part. pass.* मिन्न, मेदित. (Cf. मिन्द्, मन्द्; lith. *myliu* amo, *miĕlas* carus, mutato *d* in *l*; russ. *milyĭ* comis, benignus.)

मिन्द् 10. *P.* (scribitur मिद्, gr. 110[a].) i. q. 2. मिद्. (Cf. मिद्, मन्द्; germ. vet. *minna, minni* amor, fortasse per assimil. e *minda, mindi.*)

मिन्व् 1. *P.* मिन्वामि (सेके, scribitur मिव्) irrigare. *Cf.* पिन्व्, निन्व्, मिह्.

मिल् 6. *P. A.* obviam fieri, obviam venire, occurrere, convenire, societatem inire. Hit. 43.11.: येचा ऽन्ये सुहृदः समृद्धिसमये द्रव्याभिलाषाकुलाः ... ते सर्वत्र मिलन्ति; 67.19.: सर्वैः पशुभिर्, मिलित्वा, सिंहो विज्ञप्तः; 38.9.: कदाचिच् चित्राङ्गनामा मृगः, केना ऽपि त्रासितस्, तत्रा ऽगत्य मिलितः. (Fortasse मिल् e मिद् mutato द् in ल्, *cf.* मेथ्, मिथुन.)

मिश्र् 1. *P.* *i. q.* मश्.

मिश्र् 10. *P.* miscere (ut videtur, Denom. a मिश्र). Mah. 1. 5724.: लाजयाचा ऽप्य् अनल्पया मृत्तिकाम् मिश्रयित्वा; Sak. 24.1.: वाचन् न मिश्रयति यद्य् अपि मद्वचोभिः. (Cf. 1. मिष्; gr. μίγνυμι; lat. *misceo*; lith. *maiszau*; slav. *mjeśû*; germ. vet. *miskiu*; hib. *measgaim* «I mix»; *measg* «among, amongst», cambro-brit. *ymmusk.*)

मिश्र (ut videtur, a r. मिश्र्, cf. मिष्, suff. र) mixtus. Bh. 18.12. In. 2.2.

1. मिष् 1. *P.* conspergere. मिष्ट 1) conspersus. 2) dulcis, suavis. मिष्ट *n.* cibus lautior, delicatior. N. 18.6. *Cf.* मृष्.

2. मिष् 6. *P.* (स्पर्धायाम् *K.* स्पर्धे *V.*) aemulari, certare. — *Part. praes. in gen. absol.* invito. Mah. 1.7179.: तौ पार्थिवानाम् मिषताम् नरेन्द्र कृष्णाम् उपादाय गतौ नराग्र्यौ; 8159.: त्वन् धक्ष्यसे ऽनघ काण्डवन् दावम् अद्यै ऽव मिषतो ऽस्य शचीपतेः; 2.2535.: धार्तराष्ट्रान् रणे हत्वा मिषतां सर्वधन्विनाम् शमङ् गन्तास्मि न चिरात्; 3.10464.: तेन द्वादशवार्षिक्याम् अनावृष्ट्याम् महात्मना वृष्टम् ... मिषतो वज्रपाणिनः. (V. praef. उत् et नि et cf. मील्; russ. *migaju* et *mischu* nictor; lith. *mirkloju* id., *mĕgmi* dormio; fortasse lat. *nico, nic-to* e *nimic-o, nimic-to* = निमिषामि. — Benfey huc trahit lat. *micare.*)

c. उत् aperire *oculos, proprie* aufschlagen. Bh. 5.9.: उन्मिषन् निमिषन्न् अपि.

c. नि claudere *oculos, proprie* niederschlagen. Mah. 3. 10649.: मत्स्यः सुप्तो न निमिषति.

मिह् 1. *P.* मेहामि, *fut. aux.* मेक्ष्यामि, *part. pass.* मीढ